



“प्ररूप 26”

(नियम 4क देखिए)



Att. no. - 6315/14

19, प्रणिर्णय संसदीय (लोक सभा)

निर्वाचन क्षेत्र से (निर्वाचन क्षेत्र का नाम) लोक सभा (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

भाग-क

मैं पंकज कुमार सिंघे **पुत्र/पुत्री/पत्नी ब्रह्मदेव प्रसाद सिंघे

आयु 48 वर्ष, जो भाकपा (माले) जिला कारभलम, भूमला जिला, बड़ी हाकुर बाड़ी रोड, मधुबनी, थाना- कि. टाट, जिला- प्रणिर्णय- 854301

(डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/करती हूँ-

(1) मैं कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) विवरण (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/ **एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।

(**जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 63, प्रणिर्णय कि. सना निर्वाचन क्षेत्र (बिहार) (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं 65 के क्रम सं 690 पर प्रविष्ट हूँ।

(3) मेरा संपर्क टेलीफोन नं. 09430748374 है/हैं और मेरा ई-मेल आईडी (यदि कोई हो तो) _____ है।

(4) स्थाई लेखा संख्याक (पैन) के ब्यौरे और आय-कर विवरणी फाइल करने की प्रारिथति : शु-य



क्रम सं.	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रुपए में)
1.	स्वयं पंकज कुमार खिटे	शुन्य	शुन्य	शुन्य
2.	पति या पत्नी शेखा कुमारी	शुन्य	शुन्य	शुन्य
3.	आश्रित-1 आर्यमा गस्मिथ (पुत्र)	शुन्य	शुन्य	शुन्य
4.	आश्रित-2 शैषा इमना (पुत्री)	शुन्य	शुन्य	शुन्य
5.	आश्रित-3 शुन्य	शुन्य	शुन्य	शुन्य

(5) मैं ऐसे किसी लखित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/ किए गए **नहीं**।

अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का /की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी देना/करेगी :-

लिखित मामला (मामले) में विरच्य लखित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/ किए गए हैं। - **लाशू नहीं**।

(क)	नामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	शुन्य
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है	शुन्य
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	शुन्य
(घ)	न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई	शुन्य
(ङ)	तारीख (तारीखें) जिनके आरोप विरचित किए गए थे	शुन्य
(च)	क्या सही या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं	शुन्य



(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है

पूर्वोक्त मदद (i) में वर्णित मामलों से निम्न]-

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	अशोक मिश्रा श्री. ए. ए. शर्मा G.M. - 1152/11 22.03.2013	सुरेन्द्र शर्मा श्री. ए. ए. शर्मा G.M. - 2520/12 26.03.2013	PTC-3 शर्मा S.T. No. - 1394/12 03.11.2012
(ख)	उन मामलों के ब्यारे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है	अपील - 147, 148 149, 346, 353, 344 352, 353, 423, 353 514, 516 IPC	अपील - 147, 148 149, 344, 353, 354 352, 373, 423, 424 I.A.C	अपील - 147, 148 149, 346, 353, 353 347, 373, 423, 304 352, 353, 109/12-B दि. 27 मार्च 2013
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरुद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपील)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हो) के ब्यारे	शून्य	शून्य	शून्य

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से निम्न के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास का निर्णय दिया गया है/नहीं दिया गया है:

अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा: **शून्य**

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है - **नहीं**।

(क)	उन मामलों के ब्यारे, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है	शून्य
(ख)	न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें)	शून्य
(ग)	अधिरोधित दंड	शून्य
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हां, तो अपील के ब्यारे और वर्तमान प्रारिथति	शून्य



(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यारे नीचे देता हूँ

अ. जंगम आस्तियों के ब्यारे :

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 - जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यारे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3 - सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 - यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 75क के अधीन स्पष्टीकरण (6) में है।

टिप्पण 5 - रकम सहित ब्यारे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित - 1	आश्रित - 2	आश्रित - 3
(i)	हाथ में नकदी	८६३	शुभ्या कुमारी	आश्रित - 1 आश्रित - 2	आश्रित - 2 शुभ्या कुमारी	आश्रित - 3
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यारे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	शुभ्य	S.B.I. मध्यपुर A/C No - 30706362820 15,000/-	शुभ्य	शुभ्य शुभ्य 1000/-	शुभ्य
(iii)	कंपनियों/ पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयर्स तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यारे और रकम	शुभ्य	शुभ्य	शुभ्य	शुभ्य	शुभ्य



(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यारे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्ही वितीय लिखतों में विनिधान और रकम	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म
(v)	किसी ब्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म
(vi)	मोटरयान/वायुयान/याट/पोत (मिक) रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यारे)	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म
(ix)	समग्र कुल मूल्य	36.663/2			1000/-	शुन्म

आ- तथावर आस्तियों के ब्यारे

प्रमाण 1- संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण नही

प्रमाण 2- प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए। नही।



विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i) कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां)	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म
सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएं)	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म
क्षेत्र (एकड़ में कुल माप)	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म
बयो-विश्रासत में आई संपत्ति है (है या नहीं)	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म
स्वाजित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म
क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म
विकास, संनिमाण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म	शुन्म

	विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	अनुमानित घालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	गैर कृषि भूमि अवस्थिति (अवस्थितिया) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वाजित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	अनुमानित घालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	वणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितिया) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वाजित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित घालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितिया) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	शून्य	मधेपुरा (राष्ट्र)	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	2000 वर्ग फीट	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	1500 वर्ग फीट	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वाजित संपत्ति की दशा में	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य



	क्रय की तारीख	शून्य	19.11.2007 03.02.2011	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दृष्टि से)	शून्य	8,000/- 2,00,000/-	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, सन्निर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिर्माण	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(V)	अनुमानित चालू बाजार मूल्य अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)	शून्य	28,00,000/-	शून्य	शून्य	शून्य
(VI)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ :-

(टिप्पण : कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यक्ति के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दें)

क्र० सं०	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित -1	आश्रित -2	आश्रित -3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संरक्षकों) को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अन्य वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यक्तियों, निकाय को ऋण	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	दायित्वों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	सरकारी शोध्य : सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	टेलीफोन/मोबाईल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	आय-कर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य



	धनकर शोध	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	सेवाकर शोध	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	नगरपालिका / संपत्ति कर शोध	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विक्रयकर शोध	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य शोध	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	सभी सरकारी शोधों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां तो अंतर्कलित करकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह संबंधित है का वर्णन करें।	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यारे :

(क) स्वयं अत्राज शिवा

(ख) प्रति या पत्नी अभिजित कर्ना

व्यक्ति अर्हता नीचे दिये अनुसार है :-

नवभ्र पाय, (गांधी उच्च विद्यालय)

अरजपुर, घाना-चौसा, जिला- मधेपुरा

वर्ष 1981 ई०

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यारे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्योरा दें)

भाग-ख

(11) भाग-क के (1) से (10) तक में दिए गये ब्यौरे का उद्धरण



1	अभ्यर्थी का नाम	श्री/श्रीमती/शु. पीकज कुमार खिटे				
2	डाक का पता	भाऊपा (आले) जिला कार्यालय, ममलाकोला, बड़ी बागुर बाड़ी रोड, मधुवनी (प्रतिमा)				
3	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	19, प्रतिमा वि.क. निर्वाचन क्षेत्र (बिहार) 12, प्रतिमा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र (बिहार)				
4	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अभ्यर्थी स्वतंत्र लिखें)	कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी - लेनिनिस्ट) लिबरेशन				
5	(1) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं।	शुन्य				
6	(2) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय न्यायालयों ने संज्ञान लिया है (उपर मद (1) उल्लिखित मामलों से मिन)	03 (तीन)				
7	(3) कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्ध दोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 की उपधारा (1), उपधारा (2) या उपधारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए)	शुन्य				
		का स्थायी लेखा सं०	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्शित आय		
	(क) अभ्यर्थी	शुन्य	शुन्य	शुन्य		
	(ख) पति या पत्नी	शुन्य	शुन्य	शुन्य		
	(ग) आश्रित	शुन्य	शुन्य	शुन्य		
8	आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे (रुपये में)					
	विवरण	रकम	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
क	जंगम आस्तिया (कुल मूल्य)	84662/-	1,22,390/-	1200/-	0500/-	शुन्य
ख	स्थावर आस्तिया	शुन्य	28,00,000/-	शुन्य	शुन्य	शुन्य



I.	स्वयंजित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	शून्य	30,8,000/-	शून्य	शून्य	शून्य
II.	क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
III.	निम्नलिखित की अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत	शून्य	29,00,000/-	शून्य	शून्य	शून्य
	(क) स्वयंजित आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(i) सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii) बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10	ऐसे दायित्व जो विवादाधीन हैं					
	(i) सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii) बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
11	उच्चतम शैक्षिक अहंता : नवम्बर मास - 1961 (गंधी उच्च विद्यालय) अहमपुर, पाना - जैदा, जिला - मधेपुरा। (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यारी दें।)					



सत्यापन

मैं, उपर उल्लिखित अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय-वस्तु मेरी सर्वातम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूँ कि :-

- (क) मेरे विरुद्ध उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामलों से गिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है;
- (ख) मेरी पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से गिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 31-03-2019 को सत्यापित किया गया।

Shaku
31/03/19
Raj Kumar Thakur
ADVOCATE
NOTARY PUBLIC
PURNEA (BIHAR) INDIA

पंकज कुमार सिंह
अभिसाक्षी

NOTARY PUBLIC AUTHORIZED UNDER
NOTARY ACT, 1952 (1952) AND
W/R 314) 1956 OF THE ACT XIX
W/R, 1941) विधिगण CODE, PUNEA
PROCEDURE: चाहे AN 337 (C
PURNEA, PROCEDURE CODE

नामांकन फाइल करने के लिए 3:00 बजे अपराह तक फाइल किया जाना

Notarified by
Narek Kumar
31/3/19
Advocate

टिप्पण 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग नजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़े, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथारिथत "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण 4. शपथपत्र टंकित या सुपाद्यरूप से साफ-साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण - 5 माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.09.2013 को WP(C) संख्या 121-2008 में रिसर्जेंस इडिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य, के मामले में अभ्यर्थियों द्वारा अपूर्ण शपथ-पत्र दाखिल किये जाने के संबंध में दिए गये न्याय निर्णय के आलोक में अभ्यर्थी द्वारा शपथ पत्र के सभी स्तंभों को भरा जाना है। कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाते समय निर्वाची पदाधिकारी द्वारा यह जांच कर लिया जाना है कि नाम निर्देशन पत्र के साथ दाखिल किये गये शपथ-पत्र के सभी स्तंभ भर लिए गये हैं, अगर ऐसा नहीं किया गया है तो निर्वाची पदाधिकारी, अभ्यर्थी को खाली स्तंभों के संबंध में उपलब्ध कराये जाने हेतु स्मार देंगे। माननीय न्यायालय का न्याय निर्णय है कि अगर किसी मद में स्तंभ में दर्ज किये जायेंगे। उनके द्वारा कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जाना है। यदि अभ्यर्थी स्मार दिये जाने के बाद भी स्तंभ को भर जाने में असफल होता है तो नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा के समय नाम निर्देशन पत्र निर्वाची पदाधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिये जायेंगे।

टिप्पण-6 शपथ पत्र के पारा 3 में जानकारी निम्नलिखित रूप में उपलब्ध करायी जायेगी।
मेरा दूरभाष सम्पर्क संख्या / संख्यायें हैं/हैं _____
मेरा ई-मेल आई०डी० (अगर कोई हो) है _____
एवं मेरा सोशल मीडिया एकाउंट्स (अगर कोई हो) है _____